दीदी बनी मॉडल

हाय! पारिवारिक कहानियों के शौकीन पाठकों को पुलकित झा का एक बार फिर नमस्कार। अपनी पिछली कहानी ***"दीदी के दो यार"*** के बाद अपनी सीमा दीदी को लेकर मेरी एक और fantasy हाजिर है। अपनी इस कहानी में दीदी को एक कुँवारी और अनचुदी मानते हुए पेश कर रहा हूँ । तो दोस्तो हाज़िर है मेल पाठकों के लौंडे खडे करने वाली और फीमेल पाठकों की चूत में खुजली मचाने वाली एक और मस्त कहानी.....

सीमा को बचपन से ही फिल्में देखने का तथा एक्टिंग का बहुत शौक था। अपने इस शौक के कारण वह स्कूल समय से ही विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग लेती रहती थी। इंटर की परीक्षाओं के बाद पापा ने उसे एक डांस क्लास ज्वाइन करवा दीं जो कि एक 50 वर्षीय महिला (मधु) चलाती थी। सभी उसे आंटी कहते थे। वह एक अति खूबसूरत महिला थी जिसने अपने आप को मैंटेन कर रखा था और किसी तरह 40 से ज्यादा नहीं लगती थी। सीमा भी अपनी जवानी की दलहीज पर कदम रख चुकी थी। वह छरहरे बदन वाली एक गोरी और चिकनी लडकी थी जिसके कातिल नयन नक्श हर किसी को अपनी ओर आकर्षित करते थे। 30 24 32 फिगर के साथ वह आंटी की क्लास में सबसे सैक्सी लडकी थी। आंटी शुरू से उस पर विशेष मेहरबान थी। उसकी इस मेहरबानी का कारण कुछ और ही था यह बात सीमा के बाद में समझ में आयी पर तब तक बहुत देर हो चुकी थी। दरअसल आंटी अपनी जवानी में एक हाई क्लास कॉल गर्ल रही थी। और अब गुप्त रूप से एक उच्च स्तरीय चकला चलाती थी। पर इस बात की झलक आज तक किसी को नहीं लगी। यह उसकी शातिरता का सबूत है। यह डांस क्लास लडकियां फंसाने का एक माध्यम था। वह सिर्फ उस लडकी को पटाती थी जो खुशी खुशी पट सके और वह ऐसी लडकियों को पहचानने में सिद्धहस्त थी। वह लडकियों को मॉडलिंग या फिल्मों में काम अथवा नौकरी दिलाने का लालच देकर फंसाती थी। उसके रैकेट की अधिकांश मध्यम वर्ग की घरेलू लडकियां होती थी जो यह सब छुपकर ही कर सकती थीं। आंटी भी उन्हें उनकी सुविधानुसार उपयुक्त समय पर ही चुदवाने भेजती थीं। आंटी के ग्राहकों में शहर के चन्द बडे लोग और सिर्फ एक ही 5 स्टार होटल में ठहरने वाले विदेशी मेहमान होते थे। और इसी कारण लडकियां आंटी के साये में अपने आपको ***सेफ*** मानती थीं।

सीमा शुरू से ही आंटी की निगाह में चढ चुकी थी। वह उसे बहुत प्यार करती थी और हमेशा कहा करती थी कि वह एक दिन बडी हीरोइन बनेगी। छुट्टियों के बाद उसने सीमा को अपनी डांस क्लास में असिस्टेंट बना लिया और अच्छी तनख्वाह देने लगी। इस तरह सीमा उसके बहुत करीब हो चुकी थी और उसे पता भी न चला कि कब वह आंटी से पूरी तरह खुल गयी। आंटी उसे अपनी जवानी के किस्से बडे मजे ले लेकर देशी भाषा में सुनाती थी। इस तरह उसने सीमा को पूरी तरह खोल दिया। और आखिर एक दिन क्लास के बाद

सीमा तू इतनी खूबसूरत है कि कॉलेज के लडके तो बेहोश हो जाते होंगे तुझे देख कर....

लाइन तो कई मारते हैं साले पर मैं घास नहीं डालती.....
*तेरा मन नहीं करता.....किसी से प्यार करने को..चुदवाने को.....*आंटी की आंखें सीमा के चेहरे पर टिकी थीं।
?????????????
*बोल ना मुझसे क्या शरमाना.....*आंटी ने एक हाथ उसकी जांघ पर रखा
चुदवाने का तो पता नहीं पर किसी से दोस्ती करने का तो करता है।
तो की क्यों नहीं .....
डरती हूं आजकल के लडकों का भरोसा भी तो नहीं किया जा सकता.....
बिलकुल ठीक सोचती है ....आजकल प्यार का मतलब हैलो-हाय-बाय ही है।
?????????????
पहले तो ये प्यार का नाटक करते हैं और फिर जब लडकी चुदवा लेती है तो फिर उसे ब्लैकमेल करते हैं
तभी तो मैने अभी किसी को अपने पास नहीं आने दिया.....
*चूत में कुछ फीलिंग तो होती होगी.....ये उमर का तकाजा है.....*आंटी ने मुस्कराते हुए उसकी जांघ दबाई
छोडो ना आंटी....वो तो शादी के बाद ही ठीक रहती है..... पर सीमा की आवाज में ज्यादा दम नहीं था जिसे शातिर आंटी मे महसूस कर लिया।
*वैसे मॉडलिंग में ट्राई क्यों नही करती.....*आंटी ने उसकी ओर चारा फैंका
*मैने सुना है कि वहाँ तो?????*सीमा ने झिझकते हुए कहा
सही सुना है पर किसी लडके झूठे प्यार में सब कुछ गवांने से तो अच्छा ही है ना....
???????????
कि मजा और पैसा दोनों लो.....
*पर शादी से पहले में चुदवाना नहीं चाहती.....*चिडिया दाना चुग चुकी थी सो आंटी ने जाल और कसा।
*ये पुराने जमाने की बात है और यदि अच्छा कॅरियर मिले तो बेझिझक करना चाहिये .....*आंटी कुटिलता से मुस्कराई। सीमा उसकी इस मुस्कराहट का मतलब समझ रही थी पर उसे यह सब अच्छा लग रहा था।
*तैयार हो तो कोशिश करुं मेरे बहुत कोंटेक्ट्श हैं???.....*और आंटी ने उसकी जांघ दबाते हुए कहा।
चिंता मत कर ...दो तीन दिन में ही तैयार कर दूंगी इस बस मन में बिठाले ..कि कुछ भी हो मुझे सफल होना है...
?????????? अचानक आंटी का हाथ जांघ से खिसक कर चूत पर पहुंच गया
किसके लिये बचा कर रख रही है इसे....एक अनजान के लिये जो ...जो दिन में दहेज का ताना देगा और सारी रात बेरहमी से चोदेगा.....
???????????
और अगर कहीं चूत से खून नहीं निकला तो लडकी की शामत आ जाती है.....
पर आंटी पापा मना तो नहीं करेंगे ?????? आखिर सीमा ने अपनी सहमति दे ही दी

शुरू में किसी को कुछ बताने की जरूरत नहीं है एक बार सैट हो गयी तो वो खुश ही होंगे ..बस तू अब देशी भाषा की अच्छी प्रैक्टिस कर ले....

नहीं में नहीं बोल सकती ये भाषा..आपसे बात अलग है....

अरे मेरी जान..तू जिस लाइन में जाना चाह रही है उसमें यही भाषा चलती है...आंटी ने उसके गाल पर प्यार से चपत लगायी

फिर तुझे बोलने को कौन कह रहा है...पर सुनने में बुरा तो नहीं लगना चाहिये ....सो झिझक खोलना जरूरी है... आज कल फिल्मी दुनिया में यही भाषा चलती है....सो अब ज्यादा परेशान मत हो ...

तो इस संडे को ही स्क्रीन टैस्ट करवा दूं ??? बोल.....

सीमा को डर तो लग रहा था पर पता नहीं क्यों वह यह सब छोडने को तैयार नहीं थी...आंटी भी उसे बराबर प्रोत्साहित करती रही। आखिर संडे आया...वह 11 बजे आंटी के घर पहुंच गयी। वह जींस शर्ट में थी और बडी कातिल लग रही थी। आंटी ने उसे स्क्रीन टैस्ट के बारे में बताया कि आज सिर्फ प्रोड्यूसर ही होगा और वहाँ उसके सामने कपडे भी उतारने पड सकते हैं।

सारे.....सीमा ने घबडाते हुए कहा

सारे नहीं ....पर ये डरना छोड...अगर वो खुश हो गया तो तेरे वारे न्यारे हो जायेगे.....उसने कहा फिर वे चल दिये और जब पहुंचे तो 12.30 बज चुके थे। सीमा का दिल जोर जोर से धडक रहा था। उन्हें एक कमरे में बिठा दिया गया।

देख सीमा आज तुझे अपनी जिन्दगी का एक बडा इम्तहान देना है....सो सब कुछ भूल कर एक अच्छे भविष्य का सपना देख.....

?????????????

और यदि वह चोदना भी चाहे तो..मान जाना... मेरा मतलब समझ रही है ना...

आंटी मुझे बहुत डर लग रहा है..आज खाली मिलवा दो ...

डर कैसा.....एक ना एक दिन तो हर लडकी के साथ ये होता ही है...और फिर कुछ पाने के लिये कुछ देना तो पडता है ना.....

परन्तु.....आंटी मेरी कुछ समझ में नही आ रहा....

अब कुछ समझने को है क्या....तेरा बदन देखेगा और क्या....और यदि चोदेगा तो काम भी देगा ....

आंटी क्यों डरा रही हो.....

देख हम औरतों के पास इस चूत के अलावा कुछ नहीं है...सो कैश कर.....तभी दरवाजा खुला और प्रोड्यूसर (रमेश) अन्दर आया और सामने के सोफे पर बैठ गया। वह एक 50 साल का गठीले बदन वाला आदमी था...

तो यह है सीमा.....सीमा को उसकी भूखी निगाहें अपने बदन पर महसूस हो रही थी

हाँ !!! सर ये है मेरी डांस क्लास का सबसे नायाब हीरा...सबसे पहले आपके पास लायी हूं ....मॉडल बनना चाहती है..... आंटी की आवाज में साफ शरारत झलक रही थी। सीमा भी मानसिक रूप से तैयार थी

पर जिस तरह ये शरमा रही है क्या मॉडलिंग करेगी.....

एक दम फ्रैश माल है सर....आज पहला दिन है सो शरम तो आयेगी ही .....

अरे पर कुछ तो समझा के लाना था.....
*वो तैयार है...कोई विदेशी तो है नहीं जो सीधे ही शुरू हो जायेगी.....*आंटी ने उसे आंख मारी।
रमेश ने एक कैमरा मैंन को बुलाया और कई एंगल्स से सीमा के फोटो खिंचवाये।
देखो मधु...इस लडकी में दम दिख रहा है.....
अरे सर कमाल कर देगी आप देखना..मुझे पहचानने में गलती नहीं हो सकती।
ठीक है तो जब तक ये फोटो आते हैं तुम यहीं रैस्ट करो..मैं सीमा का स्क्रीन टैस्ट ले लूं और बाकी बातें भी तय हो जायेंगी.....
*जरूर सर...स्क्रीन टैस्ट के बारे में बता दिया है इसे .....जाओ सीमा सर के साथ...*और फिर आंटी धीरे से कान मे फुसफुसाई
आज मौका नहीं छोडना है..उसकी आंखें बता रही हैं कि काम बन जायेगा...चुपचाप चुदवा लेना...
सीमा का दिल और जोर से धडकने लगा.....वह जैसे तैसे उठी और रमेश के पीछे पीछे चल दी वह उसे पास के एक कमरे में ले गया। यह एक विशाल बैडरूम था। कमरे की दीवारें नंगी लडकियों के फोटोज से अटी पडी थीं। कमरे में एक सोफा था। रमेश उस पर बैठ गया और सीमा को अपने पास बैठने का इशारा किया। वह झिझकते हुए उसके पास सर झुकाकर बैठ गयी। रमेश ने उसका हाथ अपने हाथ में ले लिया और बोला.....
बाहर से तो तू एक दम फिट है मॉडलिंग केलिये ...अब जरा अन्दर से भी देखूं ...
.फिर उसने एक हाथ उसकी कमर में डालकर अपनी ओर खींचा तो वह खिंची चली गयी।
मधु ने स्क्रीन टैस्ट का मतलब तो समझा दिया ना???
जी....
पहले दे चुकी है ये टैस्ट या फिर आज पहली बार?
जी ...आज पहली बार?
*किसी यार को भी नहीं.....*रमेश ने उसके गाल पर चुम्बन लेते हुए दूसरे हाथ से उसकी शर्ट के बटन खोलना शुरू किया तो वह थोडा कुनमुनाई पर रमेश ने आगे के सारे बटन खोल दिये और अपना हाथ चूची पर डाल दिया और उनसे खेलने लगा। फिर उसने उसे अपने गोद में गिरा लिया और होठों पर अपने होठ जमा दिये। रमेश का बूब वाला हाथ खिसका और चूत पर पहुंच गया और जींस के उपर से ही चूत को सहलाने लगा।
ये कभी काम में ली है.....
???????????
बोल ना शरमाती क्यों है.....अगर किसी का लिया भी है तो मुझे परवाह नहीं....
जी नहीं..कभी नहीं.....
*उंगली भी नहीं.....*सीमा ने इंकार में सर हिलाया तो उसके चेहरे की चमक और बढ गयी। थोडी देर बाद उसने सीमा को खडा किया और बोला
चल अब खडे होकर कपडे उतार..रोल तो तेरा पक्का ही लगता है.....
???????????
*अरे झिझक मत ...ये तो तेरा असली स्क्रीन टैस्ट है...*वह पहले तो चुपचाप खडी रही पर फिर उसके दबाव में आकर उतारने लगी। जैसे जैसे वह कपडे उतार रही थी रमेश की

आंखों में वासना की चमक बडती जा रही थी। उसका लंड पैंट फाडकर बाहर आने को आतुर था। सीमा का चिकना बदन देखकर वह पागल हो गया। चूत के अलावा कहीं बाल नहीं थे। चूत पर भी छोटी छोटी झांट ही थी जिससे उसकी कुंवारी चूत झांक रही थी। उसने तुरंत ही अपने कपडे उतारे और उसके पास आकर जोर से भींच लिया। उसका लंड चूत पर टक्कर मार रहा था।

सचमुच पटाखा है..बहुत उपर तक जायेगी.. और फिर उसने उसे पलंग पर पटक दिया और खुद उस पर पड गया और पागल की तरह बेहरमी से चूमने चाटने लगा। सीमा इस अचानक हमले के लिये तैयार नहीं थी सो कराहने लगी

.आआह्ह ये क्या कर रहे हैं आप...प्लीज़....मान जाईये.....

आआह्ह...क्या बदन हैं मेरी रांड....वह जोर से चूची भींचते हुए बोला....सीमा की चीख निकल गयी

.आईईईए....छोड दो...मुझे नहीं बनना मॉडल..... पर रमेश पर तो पागल पन सवार था सो वह रगडता रहा और सीमा चीखती रही। वह जितना उसे हटाने की कोशिश करती वह उतने ही जोर से उसे भींचता। फिर वह रुका और और उसकी टांगों को फैला कर उनके बीच बैठ गया। सीमा ने टांगें भींचली तो उसने जबरदस्ती चौडा दी बोला। वह बुरी तरह कराह रही थी।

ओह्ह माँ ....छोड दो मुझे मैं आपके हाथ जोडती हूं...

ज्यादा नखडे मत कर बहन के लौडी....ये तो यहाँ आने से पहले सोचना था....

मुझे नहीं बनना मॉडल..मुझे जाने दो.....

मत बनना .....पर चुदे बिना नहीं जा सकती.....बडी मुद्दत के बाद फ्रैश चूत हाथ लगी है...

उसने एक हाथ की उंगलियों से उसकी चूत की दरार चौडी की और दूसरे हाथ में अपना 7.5 इंच लम्बा लंड लिया और बोला

देख इसे ये तोडेगा आज तेरी सील..वाह्ह चूत तो बडी प्यारी लग रही है.....और फिर उसने लंड चूत पर टिका दिया

टांगें चौडा ले अच्छी तरह से वरना दर्द होगा...और उसने उसकी टांगें चौडादीं और उपर लेट गया। फिर उसने लंड चूत के छेद पर फिट किया और दबा दिया। लंड का सुपाडा चूत में धंस गया। सीमा की चीख निकल गयी। रमेश ने उसकी चीख की परवाह किये बिना लंड थोडा बाहर खींचा और जोरदार धक्का मारा। वह पैर पीटने लगी। लंड सील तोडते हुए आधा चूत में समा गया। सीमा को लगा कि आज उसकी जान निकल जायेगी। वह चीखने चिल्लाने लगी।

छोड दे कमीने ...आआह्ह्ह ..मर जाऊंगी ..छोड दो.....

रुक जा मादर चोद..चुप चाप पडी रह... और उसने फिर लंड बाहर खींचा और एक और तेज शॉट मारा ...तो लंड ने चूत की जड में हाजिरी दे दी। और फिर वह रुका नहीं ...दनादन चोदने लगा।

आआह्ह्ह मजा आरहा है ....क्या टाइट चूत मिली है.....

उईई..माँ....मर जाउंगी...छोड दो....

अरे वाह मधु क्या माल लायी है.....क्या मस्त चूत है....पक्का मॉडल बनाउंगा.....पर रोज चोदा करूंगा....

*आअह्ह आअह्ह्ह ले मादर चोद निगल पूरे लौडे को.....*वह बहकता रहा और वह रोती रही। पर रमेश को कहाँ परवाह थी वह तो इस ताजी चूत को दनादन ठोकता रहा। उमर का तकाजा था या चूत की ताजगी कि वह 40-50 चोट मारकर झड गया और उस पर पड गया। थोडी देर में वह उठा और बाथरूम गया और फिर लंड धोकर वापस आया। सीमा सीधे ही पडी थी उसकी चूत से खून और रमेश के लंड का पानी रिस रहा था। उससे उठा भी नहीं जा रहा था। रमेश ने कपडे पहने और बाहर निकल गया तो आंटी अन्दर आयी और सीमा को प्यार से सहलाने लगी। सीमा ने मुँह मोड लिया उसकी आंखों में आंटी के लिये नफरत थी। आंटी ने जैसे तैसे उसे कपडे पहनाये और वापस ले आयी। उस रात वह ठीक से सो नहीं पायी। सारी रात चूत में दर्द होता रहा। फिर वह कई दिनों तक डांस क्लास नहीं गयी तो एक दिन आंटी खुद आ गयी और फिर समझा बुझा कर ले गयी। आंटी ने उसे समझाया कि पहली बार में ऐसा होता है.....और जब उसने एक बार चुदवा ही लिया तो अब पीछे हटने से क्या फायदा। सीमा को भी यह बात ठीक लगी। एक बार जब चूत खुल ही गयी है तो काम में लेने में क्या हर्ज है? उसने खुद को समझाया और तैयार हो गयी। आंटी ने बताया कि

रमेश तुझे ब्रेक दे रहा है। इस संडे को डायरेक्टर सुनील भी स्क्रीन टैस्ट लेंगे फिर शूटिंग शुरू होगी।

वो भी चोदेगा ??????????

अब तू लौडे गिनना बन्द करदे?????

????????????

*उसे चिकनी चूत पसन्द है...सो तू 10 बजे आ जाना मैं खुद तैयार करूंगी तुझे.....*सीमा ठीक 10 बजे पहुंच गयी तो आंटी उसे सीधे स्टूडियो ले गयी। स्टूडियो में छुट्टी थी। वहाँ पहुँचकर उसने पहले तो सीमा वैक्सिंग की और फिर एक झीना गाउन पहनाया जिसमें से उसकी ब्रा पैंटी और गोरा बदन एक बहुत ही सैक्सी लुक दे रहे थे। वह थोडा शरमा तो रही थी पर काफी नॉर्मल थी।12 बजे रमेश और सुनील आये...सीमा को इस रूप में देखकर उनकी आंखें चमक उठी। वे एक बडे सोफे पर बैठ गये और सीमा को बीच में बिठा लिया...सीमा सर झुका कर बैठी थी। आंटी जाकर ड्रिंक ले आयी। उन्होंने जबरदस्ती सीमा को भी एक पैग पिला दिया तो उसकी सारी झिझक दूर हो गयी

*अपने एक एड में तुझे मेन रोल दे रहा हूं.....*रमेश ने उसकी जांघ पर हाथ रखकर कहा

???????????

अब तू बस खुल जा और देख ये तेरे डायरेक्टर हैं.. इनका विशेष ख्याल रखना है .....

आप जैसा कहेंगे मैं करूंगी.....

*तो आज इन डायरेक्टर साहब को भी दिखा दे अपनी मस्त चूत के जलवे....*रमेश ने हाथ चूत पर रखते हुए कहा...सुनिल ने अपना हाथ उसकी कमर में डाला और बोला

*चल अब खडे हो कर नंगी हो जा....*और सीमा खडी हुई और गाउन की डोरी खींच दी। एक ही बार में सारा गाउन जमीन पर था। फिर उसने बिना झिझक पैंटी और ब्रा भी उतार दी।

वाह्ह्हुउ....यार रमेश तूने ठीक कहा था इसे देखकर तो मुर्दे का लौडा भी खडा हो जायेगा.....फिर वे खडे हो गये और नंगे हो गये। उनके मोटे तगडे लौडे फनफना रहे थे। सुनील बांहें फैला दी तो सीमा उसकी बांहों में चली गयी। उसने उसे भींच कर अपने होठ उसके होठों पर रख दिये और चूसने लगा इसी बीच रमेश ने भी उसे पीछे से जकड लिया। दोनों के लौडे उसकी जाघों के बीच टकरा रहे थे। फिर वे उसे पलंग पर ले गये और पिल पडे। सीमा तडफने लगी और बोली.....

आअह्ह्ह धीरे धीरे .....दर्द होता है.....

आअह्ह्ह ..मेरी जान तुझे देख कर रुका नहीं जा रहा.....

मैं तैयार तो हूं ना फिर क्या प्राब्लम है...वह कराहती बोली तो वे थोडा धीरे हुए तो सीमा ने उनके लौडे पकड लिये और सहलाने लगी। उसके बाद दोनों ने जमकर उसे चोदा। शरु में तो उसे दर्द हुआ पर फिर मजा आने लगा तो वह भी पूरा सहयोग करने लगी।

इस प्रकार वह एक बार फिर चुद गयी। उसके बाद तो न जाने कितने लौडों ने उसकी चूत की गहराई नापी खुद उसे भी याद नहीं पर रमेश ने अपना वायदा निभाया और उसे ब्रेक दिया। टेलैंट तो था ही सो वह शीघ्र ही एक अच्छी मॉडल बन गयी। अचानक एक दिन पापा चल बसे। फिर तो वह आजाद हो गयी। और आंटी के ग्रुप में एक हाई क्लास कालगर्ल बन गयी। कई लोगों से चुदवाते चुदवाते उसे पता भी नहीं चला कि कब वह लंड चूसने भी लग गयी।

Pulkit jha @yahoo.com